संतुष्टि उपलब्धि से नहीं, बल्कि प्रयास से मिलती है। पूर्ण प्रयास ही पूर्ण जीत है। **महात्मा गांधी**

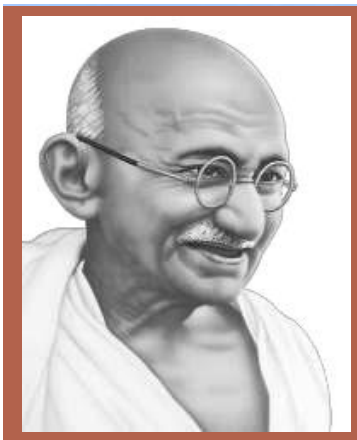

द रुरल कनेक्ट

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

खंड 6 अंक 12 दिसम्बर 2020 www.mgncre.org

"एन.ई.पी. 2020 इस देश के शैक्षिक इतिहास में सबसे व्यापक और भविष्यवादी नीति दस्तावेज है"

केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने श्री अरबिंदो सोसाइटी द्वारा आयोजित 'ज़ीरो - शुन्य से शशक्तिकरण' के माध्यम से एक आभासी राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए इन बातें कही।

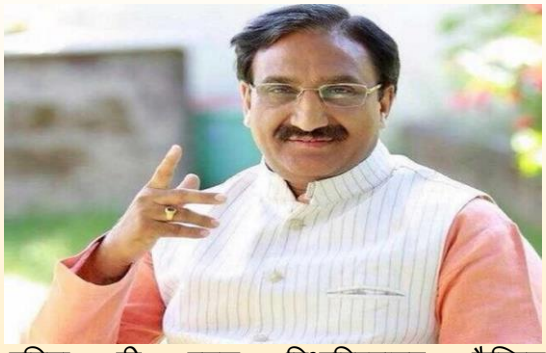

दुनिया की प्रमुख विश्वविद्यालय कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सराहना की। शिक्षा के लिए कैम्ब्रिज साझेदारी, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गुणवत्ता सुसंगत शिक्षा प्रणालियों को विकसित करने के लिए दुनिया भर में सरकार के साथ सहयोग करता है।

श्री पोखरियाल ने वस्तुतः ***लीलावती पुरस्कार - 2020*** *का शुभारंभ किया: महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ए.आई.सी.टी.ई. के अभिनव शिक्षा कार्यक्रम। विषय के रूप में महिला सशक्तीकरण के साथ, पुरस्कार का उद्देश्य स्वच्छता, सफाई, स्वास्थ्य, पोषण, साक्षरता, रोजगार, प्रौद्योगिकी, ऋण, विपणन, नवाचार, कौशल विकास, प्राकृतिक संसाधनों और महिलाओं के बीच अधिकारों जैसे मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। प्रो. राजीव कुमार, सदस्य सचिव, ए.आई.सी.टी.ई.; अध्यक्ष, ए.आई.सी.टी.ई. प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे, इस अवसर पर उपाध्यक्ष, ए.आई.सी.टी.ई., प्रो. एम.पी. पूनिया, श्रीमती वसुधा कामत, सदस्य, ड्राफ्ट एन.ई.पी. समिति और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।*

एम.जी.एन.सी.आर.ई को यू.एन.ई.एस.सी.ओ. (यूनेस्को) चेयर से सम्मानित किया गया!

गांधीजी के नई तालीम में एम.जी.एन.सी.आर.ई. के हस्तक्षेप - अनुभवात्मक शिक्षा को यूनेस्को चेयर के लिए मान्यता दी गई है और अनुमोदित किया गया है। यह परियोजना यूनेस्को चेयर द्वारा निर्धारित मानदंडों को पूरा करती है - ग्रामीण समुदाय के जुड़ाव, कार्य शिक्षा और शिक्षक शिक्षा और स्कूली शिक्षा में अनुभवात्मक शिक्षा से संबंधित अनुसंधान, प्रशिक्षण, सूचना और प्रलेखन गतिविधियों के माध्यम से उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों की क्षमता बढ़ाने के कार्यक्रम।

एम.ओ.यू. - निरंतर होड़ पर हस्ताक्षर!

सुविधाओं और विशेषज्ञता को साझा करके ग्रामीण प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आपसी संबंधों की खोज, विस्तार और मजबूती के लिए एजेंडा जारी रखना - 5 संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए -

- हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मथुरा यू.पी.
- बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, राजस्थान
- गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कर्नाटक
- पेरियार विश्वविद्यालय, तमिलनाडु
- स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, उत्तराखंड

"एन.ई.पी. 2020 के प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से छात्र राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे" श्री कलराज मिश्र, राजस्थान के माननीय राज्यपाल और मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर के कुलपति "समान और समावेशी शिक्षा: सभी के लिए शिक्षा: एन.ई.पी. 2020" के लिए एक दिवसीय उद्घाटन सत्र में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा आयोजित 155 वेबिनार एम.जी.एन.सी.आर.ई. के सहयोग एम.एल.एस.यू. के संबद्ध कॉलेजों के लिए कहा। ***155 वेबिनार, एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड,*** जो एम.एल.एस.यू. के संबद्ध कॉलेजों द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें एन.ई.पी. 2020 दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन के माध्यम से ग्रामीण विकास और शिक्षा पर ध्यान देने के साथ छात्रों, शिक्षकों और संसाधन व्यक्तियों द्वारा प्रस्तुतियाँ और विचार-विमर्श किया गया था। प्रो. अमरिका सिंह, एम.एल.एस.यू. की कुलपति और डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. भी इस अवसर पर बात की।

संस्थागत उपलब्धियां - कार्य योजनाएं

कार्यक्रम	संस्थागत कार्यशालाएं	प्रतिभागी	कार्य योजनाएं
सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण कार्य सेल कार्य योजना सेल (एस.ई.एस. आर.ई.सी.)	128	7525	6341
सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण कार्य सेल कार्य योजना सेल (एस.ई.एस. आर.ई.सी.)	55	2107	435
ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ	204	9324	2764

संपादक की टिप्पणी

यूनेस्को (यू.एन.ई.एस.सी.ओ.) चेयर की उपलब्धि एम.जी.एन.सी.आर.ई. के लिए अत्यधिक हर्षित होने वाला क्षण है! नई तालीम पर हमारी परियोजना - गांधीजी की अनुभवात्मक शिक्षा यूनेस्को चेयर कार्यक्रमों द्वारा निर्धारित मानकों को पूरा करती है, जो ग्रामीण समुदाय के जुड़ाव, कार्य शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षक शिक्षा और स्कूल शिक्षा के क्षेत्रों में शिक्षा से संबंधित अनुसंधान, प्रशिक्षण, सूचना और प्रलेखन गतिविधियों की एक एकीकृत प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए है। भारत में स्कूली शिक्षा बच्चों को ज्ञानवान, स्वस्थ और कुशल बनाने के लिए उन्मुख होने की आवश्यकता है। महात्मा गांधी द्वारा परिकल्पित नई तालीम का मुख्य विचार शरीर, मन और आत्मा की उचित शिक्षा है। बच्चे को तर्क, गणित, विज्ञान और भाषाओं के साथ-साथ जीवन कौशल के साथ-साथ आजीविका के विकल्प भी सिखाए और प्रशिक्षित किए जाने की जरूरत है। बाल शिक्षा का प्रारंभिक सात वर्ष मातृभाषा में होना आवश्यक है।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. पिछले 23 वर्षों से केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में संकाय सशक्तिकरण और विकास गतिविधियों के माध्यम से गाँव के आत्मनिर्भरता के गांधीवादी मूल्यों को बढ़ावा देने में शामिल है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. का इरादा आवश्यकताओं के अनुरूप और परस्पर पहचान की आवश्यकताओं के अनुसार एक सुगम और मार्गदर्शन देने वाली एजेंसी के रूप में पूर्ण रूप से काम करना है। शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम और साथ ही स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम पर ध्यान केंद्रित करके नई तालीम के प्राचीन स्वरूप को मुख्य धारा में लाने की सख्त आवश्यकता है। यह तभी हो सकता है जब एन.सी.ई.आर.टी., एस.सी.ई.आर.टी., डाइट, सी.ए.बी.ई., एन.सी.टी.ई. और शिक्षा के विश्वविद्यालय विभागों जैसे संस्थानों की भागीदारी के साथ निरंतर प्रयास किए जाएं। और व्यवसायों पर सुर्खियों में लाने के लिए स्कूली शिक्षा को पुनर्जीवित करने के इस विशाल कार्य को संभालने के लिए विशिष्ट रूप से रखा गया है।

इसके साथ, उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षक उद्योग की जरूरतों के अनुसार छात्रों को शिक्षित करेंगे और उन्हें विभिन्न प्रकार के कौशल से लैस करेंगे।

मैं माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री को भारत के साहित्यिक कार्यों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए **वातायान लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड** (इंग्लैंड में ब्रिटिश इंस्टीट्यूशन ग्रुप द्वारा आयोजित ऑनलाइन वातायान -यू.के. फेलिसिटेशन समारोह में) से सम्मानित करने के लिए बधाई देता हूं।

व्यावसायिक योजना के कार्यान्वयन के लिए हमारी एक दिवसीय संस्था-स्तरीय ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.) कार्यशालाएं व्यावसायिक शिक्षा - नई तालीम - अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) और सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण कार्य प्रकोष्ठों (एस.ई.एस.आर.ई.सी.) कार्यशालाओं के साथ-साथ पूरी तरह पेश कर रही हैं। हमने ग्रामीण प्रबंधन डोमेन में 5 समझौता ज्ञापनों को शामिल किया है।

डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

यह ध्यान देने योग्य है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को आखिरकार लागू किया जा रहा है। कुछ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा इन एफ.डी.पी. की जरूरत है। संस्थान (एन.आई.टी.) 2021-22 से शुरू होने वाले अगल शैक्षणिक सत्र से मातृभाषा में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम पेश करना शुरू करेंगे।

यह निर्णय एन.ई.पी. 2020 के अनुरूप है जो प्राथमिक स्तर के स्कूल स्तर से मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने के माध्यम से मुख्य रूप से भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर विशेष जोर देता है। माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री, ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (ए.आई.सी.टी.ई.) को जोर और उभरते क्षेत्रों में जुड़े उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा ऑनलाइन ए.आई.सी.टी.ई. प्रशिक्षण और शिक्षण (ए.टी.ए.एल.) अकादमी संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.) का उद्घाटन किया गया। प्रौद्योगिकी का उद्देश्य देश में गुणवत्तापूर्ण तकनीकी

नई तालीम - गांधीजी की अनुभवात्मक शिक्षा – परियोजना के बारे में अधिक जानकारी

कार्यक्रम पूरे देश में शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण के विश्वविद्यालय विभागों में निम्नलिखित की सुविधा प्रदान करता है: राउंड टेबल चर्चा; पाठ्यक्रम विकास कार्यशालाएं; 5-दिवसीय मास्टर ट्रेनर विकास कार्यक्रम; 7-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम, लघु अनुसंधान परियोजनाएं; एक्शन रिसर्च परियोजनाएं।

नई तालीम: गांधीजी की अनुभवात्मक शिक्षा परियोजना का उद्देश्य 2018-2021 की अवधि में प्राथमिकताओं के अनुसार निम्नलिखित रणनीतिक उद्देश्यों (एस.ओ.) को पूरा करना है:

- सभी के लिए उच्च गुणवत्ता और समावेशी आजीवन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा प्रणाली विकासित करना
- शिक्षार्थियों को रचनात्मक और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बनाना
- सभी के लिए शिक्षा को आगे बढ़ाना (ई.एफ.ए.) और भविष्य के अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा के एजेंडे को आकार देना
- राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक रूप से - विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार प्रणालियों और नीतियों को मजबूत करना
- सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियों पर अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देना
- समावेशी विकास का समर्थन करना, बढ़ावा देना, संस्कृतियों के तालमेल के लिए परस्पर संवाद और नैतिक सिद्धांतों को बढ़ावा देना
- विरासत की रक्षा, प्रचार और प्रसार करना
- रचनात्मकता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति की विविधता को अभिव्यक्तियों को बढ़ावा देना
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मीडिया विकास और सूचना और ज्ञान तक पहुंच को बढ़ावा देना

नई तालीम - गांधीजी की अनुभवात्मक शिक्षा ग्लोबल एजुकेशन 2030 एजेंडा नए विस्तारित दायरे को पूरा करती है:

- इस परियोजना में बचपन से लेकर युवा और वयस्क शिक्षा और प्रशिक्षण तक सभी आयु वर्ग शामिल हैं;
- यह काम के लिए कौशल के अधिग्रहण पर जोर देता है और मानता है कि शिक्षा और काम अलग नहीं हैं;
- सामुदायिक सहभागिता गतिविधियों के माध्यम से, यह मिश्रित और अन्योन्याश्रित दुनिया में नागरिकता शिक्षा के महत्व को रेखांकित करता है;
- देश भर में विश्वविद्यालय और शिक्षा विभागों के साथ काम करके, यह समावेश, इक्विटी और लैंगिक समानता पर केंद्रित है;
- कार्यक्रम को एक तरह से संरचित किया गया है जो सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के परिणाम और आजीवन शिक्षा को सुनिश्चित करता है।

कार्यान्वयन रणनीति में नई तालीम पाठ्यचर्या विकास, माध्यम से क्षमता निर्माण शामिल है शिक्षक शिक्षा क्षेत्र, ग्रामीण सामुदायिक शिक्षा क्षेत्र और ग्रामीण विकास और कृषि शिक्षा क्षेत्र के। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने नई तालीम पर सभी राज्यों के शिक्षा विभागों को संवेदनशील बनाया है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने शिक्षा और लेनदेन दोनों स्तरों पर अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उचित भौगोलिक, लिंग और सामाजिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का प्रयास किया है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. पहले से ही अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए.आई.सी.टी.ई.) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) द्वारा सक्रिय समर्थन और सुविधा के साथ अपने विश्वविद्यालय ग्रामीण कार्यक्रमों को लागू कर रहा है।

शिक्षा प्रदान करना और

विभिन्न उभरते क्षेत्रों में प्रशिक्षण के माध्यम से अनुसंधान और उद्यमिता को बढ़ावा देना है। आई.आई.टी., आई.आई.आई.टी., एन.आई.टी. सी.यू. और ए.टी.ए.एल. एफ.डी.पी. में रिसर्च लैब का आयोजन कर रहे हैं।

गाँधी जी ने आधुनिक भारत को गाँव-आधारित, विकेंद्रीकृत, लोकतांत्रिक और उदारवादी देश बनाने की कल्पना की थी। उसके लिए, गाँव उपभोग केंद्र नहीं हैं, बल्कि उत्पादन केंद्र जो संपन्न आर्थिक गतिविधियों से भरे हैं। इसलिए, अगर गांवों का सही ढंग से पालन-पोषण किया जाता है, तो वे अपने सभी निवासियों को उत्पादक व्यवसाय प्रदान करते हुए आत्मनिर्भर, स्व-शासित सामाजिक और आर्थिक संस्थाएँ बन सकते हैं। नई तालीम शिक्षा की प्रणाली है जो हमें एक गाँव गणराज्य की इस अवधारणा को प्राप्त करने में मदद कर सकती है।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

व्यावसायिक शिक्षा-नई तालीम-अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) कार्यशालाएं

एक दिवसीय ऑनलाइन संस्थागत कार्यशालाएं "व्यावसायिक शिक्षा - नई तालीम - अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) ओअऊ.शि.सं. में एम.जी.एन.सी.आर.ई. के हस्तक्षेप पर चर्चा करती हैं; वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना; एक शिक्षण पद्धति के रूप में व्यावसायिक शिक्षा; और वी.ई.एन.टी.ई.एल. राष्ट्रीय प्रतियोगिता भागीदारी विवरण। कॉलेजों के प्रतिभागी छात्र - शिक्षक अपने संस्थान में वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना सेल के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए उन्मुख हैं; वे 4 वी.ई.एन.टी.ई.एल. क्षेत्रों से अवगत हो जाएं, जिनके लिए उन्हें गतिविधियाँ करने की आवश्यकता है; छात्र शिक्षकों के लिए वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना राष्ट्रीय प्रतियोगिता के चरणों और प्रस्तुत दिशानिर्देशों से अवगत हो जाएं; अपने पाठ्यक्रम और स्कूल के पाठ्यक्रम में वी.ई.एन.टी.ई.एल. गतिविधियों को एकीकृत करने के मूल्य को समझते हैं और उनकी सराहना करते हैं; उन नवीन गतिविधियों को साझा करें जो वे व्यावसायिक शिक्षा, स्व-शिक्षा, स्वच्छता / स्वास्थ्य और सामुदायिक सहभागिता से संबंधित हों; और वी.ई.एन.टी.ई.एल. में कुछ सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जानते हैं।

व्यावसायिक शिक्षा-नई तालीम-अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) नवंबर 2020

एक दिवसीय ऑनलाइन संस्थागत कार्यशालाएं

क्र.सं.	राज्य	कार्यशालाएं	छात्रों द्वारा वी.ई.एन.टी.ई. एल. कार्य योजना	प्रतिभागी (छात्र शिक्षक)
1.	दिल्ली	15	980	1105
2.	हरियाणा	01	35	50
3.	हिमाचल प्रदेश	10	480	590
4.	केरल	25	1289	1430
5.	मध्य प्रदेश	14	664	858
6.	महाराष्ट्र	20	750	750
7.	राजस्थान	02	100	115
8.	तेलंगाना	23	879	1143
9.	तमिलनाडु	15	936	1239
10.	पश्चिम बंगाल	03	228	245
	कुल	**128**	**6341**	**7525**

सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति पर एक साथ 155 वेबिनार आयोजित करके रचा राष्ट्रीय कीर्तिमान

विद्यार्थी केंद्रित, व्यावहारिक एवं नई तकनीक को आत्मसात करने वाली है नई शिक्षा नीति : राज्यपाल

एक दिवसीय ऑनलाइन क्लस्टर कार्यशालाएं

क्र.सं.	राज्य	कार्यशालाएं	वी.ई.एन.टी.ई.एल. सेल	प्रतिभागी (प्रधान अध्यापक और संकाय)
1.	आंध्र प्रदेश	10	175	275
2.	जम्मू	02	50	51
3.	झारखंड	01	0	24
4.	कश्मीर	01	25	45
5.	केरल	01	25	63
6.	मध्य प्रदेश	04	78	100
7.	महाराष्ट्र	01	0	26
8.	पंजाब	06	58	195
9.	राजस्थान	13	231	308
10.	तेलंगाना	06	05	150
11.	तमिलनाडु	01	27	48
12.	उत्तर प्रदेश	20	104	1038
13.	उत्तराखंड	01	22	27
14.	पश्चिम बंगाल	01	13	12
	कुल	**68**	**813**	**2362**

చదువులతోపాటు వృత్తి విద్యతోనే ప్రయోజనం

29 बीएड महाविद्यालयों में शिक्षा मंत्रालय के वेबिनार का आयोजन

नयी शिक्षा नीति के तहत सभी कॉलेजों में होगा सेमिनार : प्रतिकुलपति

हजारीबाग (आवाज)। विभावि अंतर्गत 29 बीएड महाविद्यालयों में शिक्षा मंत्रालय द्वारा वेबिनार का आयोजन किया गया। मंत्रालय की ओर से झारखंड, पंजाब, उत्तराखंड के राज्य कोऑर्डिनेटर प्रियव्रत शर्मा शामिल हुए। वहीं वेबिनार की अध्यक्षता विभावि के प्रतिकुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने की। वेबिनार में शिक्षा नीति 2020 पर चर्चा की गई। राज्य कोऑर्डिनेटर प्रियव्रत शर्मा ने कहा कि वेबिनार में नई शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल लर्निंग के बाबत शिक्षकों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रायोगिक विधि से सभी क्रियाकलापों को करके दिखाया गया। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद की तरफ से देश भ यह आयोजन किया जा रहा है। वेबिनार में मे एक्सन प्लान के तहत चार कोर एरिया हैं, जि वोकेशनल एजुकेशन, सेल्फ फिनांस, स्वच्छता स्वास्थ्य, कम्युनिटी इंगेजमेंट के बारे में विस्तार बताया गया। प्रतिकुलपति ने बताया कि नयी शि नीति के अंतर्गत सभी कॉलेजों में वेबिनार आयोजन किया जाएगा। शिक्षा नीति के अनु अलग-अलग मेघा के छात्र-छात्राओं को उसी क्षेत्र में आगे बढ़ाया जा इस संबंध में मिनिस्ट्री ऑफ हायर एजुकेशन को रिपोर्ट भेजी जाएगी। दिल्ली में इसपर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

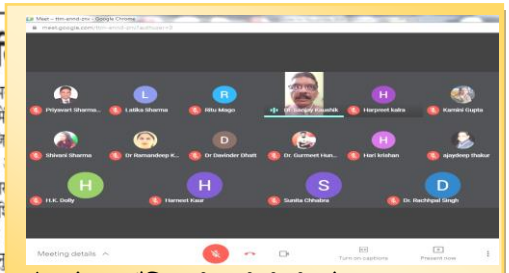

प्रो. संजय कौशिक, डीन सी.डी.सी., पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़

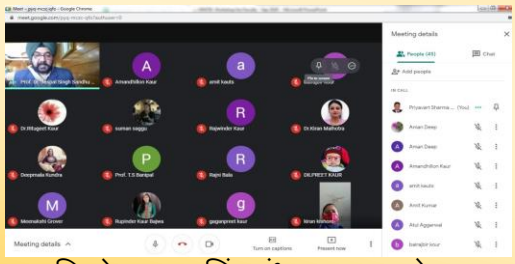

कुलपति प्रो.जसपाल सिंह संधू, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पंजाब ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए

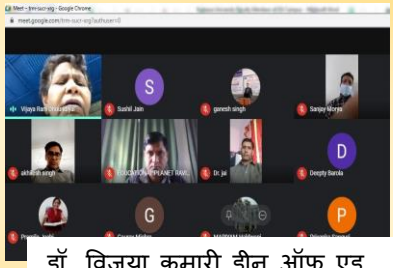

डॉ. विजया कुमारी, डीन ऑफ एडू., कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड

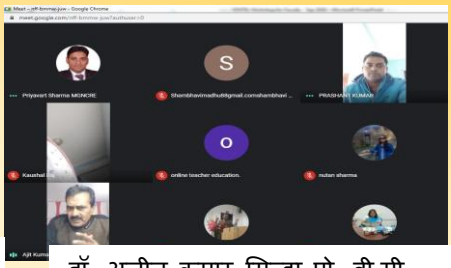

डॉ. अजीत कुमार सिन्हा, प्रो. वी.सी., विनोबा भावे विश्वविद्यालय,हजारीबाग, झारखंड

एम.जी.एन.सी.आर.ई. - एस.सी.ई.आर.टी. तेलंगाना ऑनलाइन वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना कार्यशालाओं के लिए सहयोग

पांच वी.ई.एन.टी.ई.एल. (व्यावसायिक शिक्षा नई तालीम अनुभवात्मक शिक्षा) कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा तेलंगाना के प्रधानाचार्यों और संकायों, प्राइवेट डी. एल. ईडी. कॉलेजों के लिए 18 नवंबर से 23 नवंबर, 2020 तक एस.सी.ई.आर.टी. तेलंगाना के सहयोग में श्रीमती राधा रेड्डी, प्रभारी निदेशक एस.सी.ई.आर.टी. तेलंगाना और एस.सी.ई.आर.टी. टी.एस. के संकाय सदस्य, डॉ. अनुराधा और डॉ. नरेंद्र के समर्थन से किया गया था। 150+ प्रधानाचार्य और संकाय सदस्यों ने इन ऑनलाइन कार्यशालाओं में भाग लिया और घर पर उपलब्ध सरल उपकरणों का उपयोग करके अनुभवात्मक अधिगम और व्यावसायिक शिक्षा गतिविधियों को साझा / चर्चा की, जो समग्र शिक्षा प्रदान करेगा और आजीविका कौशल का निर्माण करेगा और एक शिक्षण पद्धति के रूप में व्यावसायिक शिक्षा के उपयोग को प्रोत्साहित करेगा। प्रतिभागियों ने न केवल कार्य योजना की दृष्टि को समझा, बल्कि उन्होंने संस्था में वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना सेल की आवश्यकता की भी सराहना की। उन्होंने बेहतर अनुभवात्मक शिक्षा के लिए जल्द से जल्द व्यावहारिक आमने-सामने सत्रों के लिए अनुरोध किया और साझा किया कि छात्र शिक्षकों को इस पद्धति को अनिवार्य गतिविधि बनाना चाहिए।

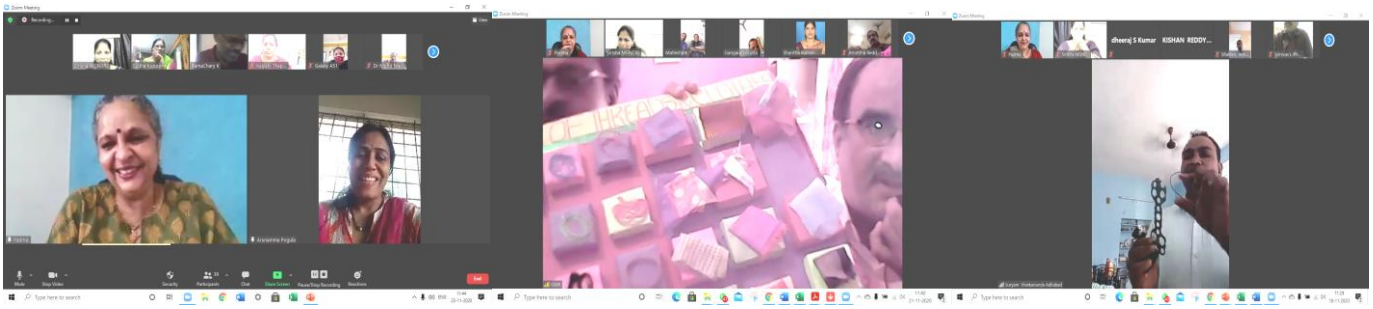

ऑनलाइन वी.एन.टी.ई.एल. उत्तर प्रदेश के डाइट और डी एल एड कॉलेजों में कार्य योजना कार्यशालाएं

पंद्रह वी.ई.एन.टी.ई.एल. (व्यावसायिक शिक्षा) नई तालीम अनुभवात्मक शिक्षा) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा यू.पी. डाइट के प्राचार्यों और संकायों और रायबरेली, प्रयागराज, बलिया, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, कानपुर नगर, फतेहपुर, देवरिया, में डी. एल. एड. कॉलेजों के लिए 18 नवंबर से 30 नवंबर, 2020 तक एस.सी.ई.आर.टी. प्रयागराज के सहयोग से मिर्जापुर, मैनपुरी, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़ और बिजनौर, डॉ. सर्वेंद्र विक्रम बहादुर सिंह, निदेशक एस.सी.ई.आर.टी. यू.पी. के सहयोग से कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया था। 800+ प्रधानाचार्यों और संकाय सदस्यों ने इन ऑनलाइन कार्यशालाओं में भाग लिया और "बच्चों को आत निर्भार बनाना" की सुविधा के लिए वी.ई.एन.टी.ई.एल. के बहु-विषयक दृष्टिकोण की सराहना की।

वी.ई.एन.टी.ई.एल. वर्ग ने हमारे छात्रों के मानकों को बढ़ावा दिया और उन्होंने न केवल शिक्षा के कौशल को विकसित किया, बल्कि समुदाय की वर्तमान स्थितियों से निपटने के लिए और व्यावसायिक शैक्षिक गतिविधियों की भूमिका का नेतृत्व करने के लिए साझा किया। प्रस्तुति अद्भुत है। संवाददाता, सेंट मैरी कॉलेज ऑफ एजुकेशन

वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्यशाला के झलक

श्रीमती एच. के. महिला कॉलेज ऑफ एजुकेशन, राजस्थान के छात्र शिक्षकों के साथ एक संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशाला। 50 छात्र वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

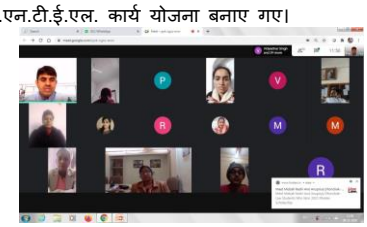

नई बी.एड. कॉलेज, त्रिवेंद्रम, केरल, पी.टी.एम. बी.एड. कॉलेज, केरल और आर.सी. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली के छात्र शिक्षकों के साथ तीन संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित की गईं। 140 छात्र वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

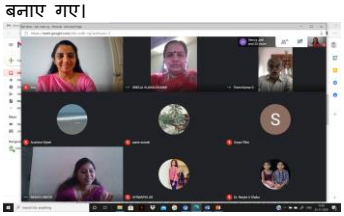

डॉ. राजलक्ष्मी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, चेन्नई, तमिलनाडु, भारतीय प्रचार संस्थान, अलवर, राजस्थान और सेंट अल्बर्ट्स टीचर इंस्टीट्यूट, केरल के छात्र शिक्षकों के साथ तीन संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

श्री कृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन, नई दिल्ली के छात्र शिक्षकों के साथ एक संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशाला। 75 छात्र वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

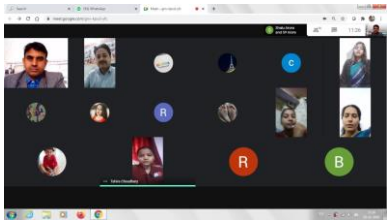

क्राइस्ट नगर कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, केरल के छात्र शिक्षक और श्री राम इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन, द्वारका, दिल्ली के छात्र शिक्षकों के साथ दो संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाएं। 90 छात्र वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

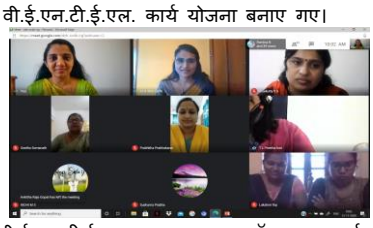

एक वी.ई.एन.टी.ई.एल. क्लस्टर स्तर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, राजस्थान से संबद्ध शिक्षा कॉलेजों के लिए किया गया था। इस कार्यशाला में विभिन्न बी.एड. कॉलेजों के प्राचार्यों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

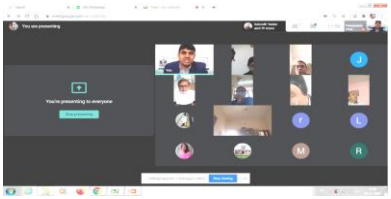

एक वी.ई.एन.टी.ई.एल. (व्यावसायिक शिक्षा नई तालीम अनुभवात्मक शिक्षा) केरल में शिक्षा के कॉलेजों के लिए क्लस्टर स्तर ऑनलाइन कार्यशाला। कार्यशाला में विभिन्न बी.एड. कॉलेजों के प्रधानाचार्य और संकाय सदस्य उपस्थित थे।

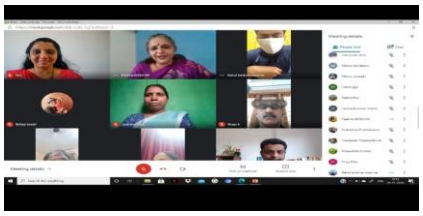

रायबरेली यू.पी. के डाइट के लिए एक वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्यशाला में 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

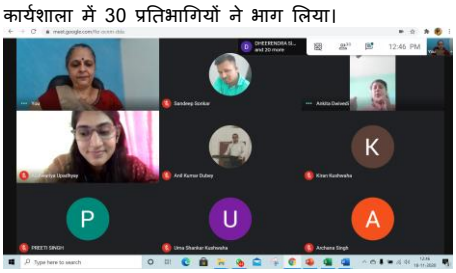

डी.वी.एम. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, नलगोंडा, तेलंगाना, किंकर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, वर्धा, महाराष्ट्र, राधिका आध्यापक महाविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र और सेंट जेवियर्स डी. एड. कॉलेज, कोल्हापुर, महाराष्ट्र के छात्र शिक्षकों के साथ चार संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाएं। 148 छात्रवी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

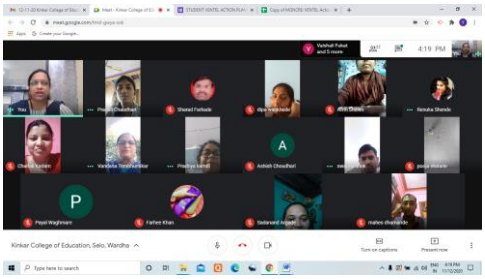

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा 11.11.2020 को के.डी. पवार शिक्षण महाविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र, पी.एम.सी.ई.सी. नई दिल्ली, आर.आर.बी.एम. विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान, सोघरा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, नलगोंडा, तेलंगाना और वी.सी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, नलगोंडा, तेलंगाना के छात्र शिक्षकों के साथ पाँच संस्थागत उपक्रम कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। 152 छात्र वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

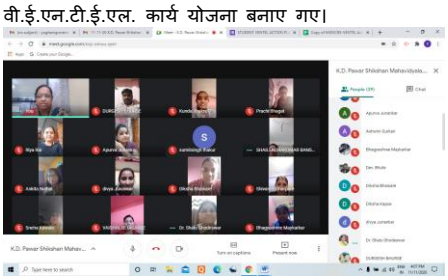

बर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के शिक्षा के संबद्ध कॉलेजों के लिए एक वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशाला।

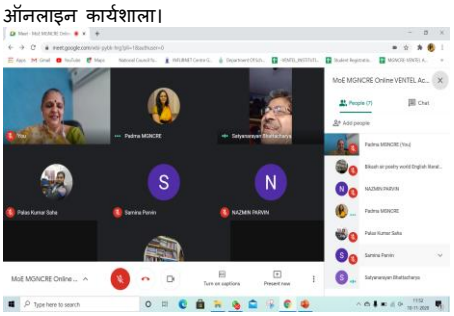

ऑक्सिलियम कॉलेज ऑफ़ टीचर एजुकेशन, अंगमाली, केरल, कस्तूरबा जूनियर कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन, सांगली, महाराष्ट्र, महिला जूनियर कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन, भंडारा, महाराष्ट्र और वी.एम.सी.ई., मंडी, हि.प्र. के छात्र शिक्षकों के साथ चार संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाएँ। 127 छात्र वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

ए.वी.एम. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, तेलंगाना, चिन्मय कॉलेज ऑफ एजुकेशन, तेलंगाना, डॉ प्रतिभा पाटिल महिला महाविद्यालय शिक्षा महाविद्यालय, अमरावती, महाराष्ट्र, काशीचार्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हि.प्र., एम.सी.ई. सोसायटी के जूनियर कॉलेज के छात्र शिक्षकों के साथ छह संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाएं शिक्षा, आज़म परिसर, पुणे, महाराष्ट्र और शिक्षा शास्त्र महाविद्यालय, चोपडा, महाराष्ट्र। 201 छात्र वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

के.एस.आर. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, नामक्कल, तमिलनाडु, रयात शिक्षण संस्थान जूनियर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, अहमदनगर, महाराष्ट्र और श्री प्रकाशचंद जैन कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जलगांव, महाराष्ट्र के छात्र शिक्षकों के साथ तीन संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाएं।

अशोक कॉलेज ऑफ एजुकेशन, नासिक, महाराष्ट्र के डाइट कुल्लू हि.प्र., श्री एम.डी. बोंडे (पाटिल) शिक्षण महाविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र के छात्र शिक्षकों के साथ तीन संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाएँ। 134 छात्र वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

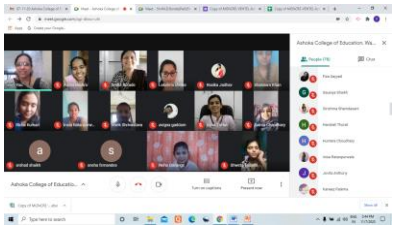

भौंगिर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, नलगोंडा, तेलंगाना, द्रोणाचार्य पी.जी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, रीत, हि.प्र., टैगोर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, तेलंगाना, ठाकुर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, ढलियारा, कांगड़ा, हि.प्र. और उषोदया कॉलेज ऑफ एजुकेशन, श्रीनिवासपुर, तेलंगाना के छात्र शिक्षकों के साथ पांच संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल। 242 वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा सात संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाएं 05.11.2020 को डाइट नाहन हि.प्र., मदर थेरेसा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, भोंगीर, तेलंगाना, निर्मला कॉलेज ऑफ एजुकेशन, महाराष्ट्र, श्री अरबिंदो कॉलेज के छात्र शिक्षकों, शिक्षा, नलगोंडा, तेलंगाना, श्री वासवी राजा प्रताप कॉलेज ऑफ एजुकेशन, महबूबनगर, तेलंगाना, सेंट मैरी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, महबूबनगर, तेलंगाना और वी कॉलेज ऑफ एजुकेशन लुहारु, हरियाणा के साथ आयोजित की गई। 306 छात्र वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

छह संस्थागत वी.एन.टी.ई.एल. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा 03.11.2020 को भारतीय शिक्षा संस्थान महाविद्याला के पास, स्वावलम्बी नगर, महाराष्ट्र, गायत्री कॉलेज ऑफ़ टीचर एजुकेशन, वानापर्थी, तेलंगाना, गोकुल कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन, नलगोंडा, तेलंगाना, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ़ टीचर एजुकेशन, मेट्टुगुडा, तेलंगाना, समता शिक्षण महाविद्यालय मवाड, नागपुर, महाराष्ट्र और श्री राघवेंद्र कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन, नालंदा , तेलंगाना के छात्रों के साथ कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाएँ आयोजित की गई। 229 छात्र वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

अल मदीना कॉलेज ऑफ एजुकेशन, नलगोंडा, तेलंगाना, आदर्श कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, जडचेरला, तेलंगाना, स्वर्गीय गोविंद्रो वंजारी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बुटीबूरी, नागपुर, महाराष्ट्र और सद्गुरु एजुकेशन सोसाइटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के कॉलेज, जालोगान, महाराष्ट्र के छात्र शिक्षकों के साथ चार संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाएं। 131 छात्र वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.) एफ.पी.ओ ./ एफ.पी.सी.-बिजनेस स्कूल कनेक्ट सेल (एफ.बी.एस.सी.)

ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.) एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी.-बिजनेस स्कूल कनेक्ट सेल(एफ.बी.एस.सी.) पर कार्यशालाएं आर.ई.डी. सेल की कार्यक्षमता के उद्देश्यों के साथ आयोजित की जाती हैं; व्यवसाय योजना की तैयारी और कार्यान्वयन; और व्यवसाय योजना प्रतियोगिता के लिए रास्ता मजबूत करना।

ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.), एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी.-बिजनेस स्कूल कनेक्ट सेल (एफ.बी.एस.सी.) कार्यशालाएं 2020

ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.) कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाएँ - नवंबर 2020

क्लस्टर स्तर की कार्यशालाएं: 78 रेड सेल: 738 प्रतिभागी: 1523

भाग लेने वाले राज्य: आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, असम, केरल, नागालैंड, पांडिचेरी, ओडिशा, गुजरात, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड, हरियाणा

आर.ई.डी.सी., एफ.बी.एस.सी., ग्रामीण प्रबंधन संस्थागत कार्यशालाएं

राज्य	कार्यशालाओं की सं.	शुरु किये गए व्यापार योजना	प्रतिभागी
तेलंगाना	24	223	1212
राजस्थान	14	211	512
छत्तीसगढ़	8	84	339
तमिलनाडु	20	432	1185
केरल	55	703	2408
उत्तर प्रदेश	10	194	352
कर्नाटक	6	70	356
पश्चिम बंगाल	1	1	32
आंध्र प्रदेश	8	-	301
मध्य प्रदेश	5	78	167
पंजाब	1	-	45
महाराष्ट्र	40	484	1698
हरियाणा	12	284	717
कुल	204	2764	9324

कार्यशाला के झलक

चार "एक दिवसीय संस्था-स्तरीय ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.)" व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन के लिए सोना आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, तमिलनाडु, गीता इंजीनियरिंग कॉलेज, नोल्था, हरियाणा, साई कॉलेज, छत्तीसगढ़ और जे.एल.एन. पी.जी. कॉलेज, उत्तर प्रदेश के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

चार "एक दिवसीय संस्था-स्तरीय ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.)" व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन के लिए सोना आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, तमिलनाडु, गीता इंजीनियरिंग कॉलेज, नोल्था, हरियाणा, साई कॉलेज, छत्तीसगढ़ और जे.एल.एन. पी.जी. कॉलेज, उत्तर प्रदेश के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

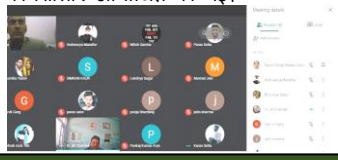

श्री जी.वी.जी. कॉलेज, तमिलनाडु और द टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्सटाइल्स एंड साइंस, भिवानी, हरियाणा, इरोड सेनगुंथर इंजीनियरिंग कॉलेज, तमिलनाडु, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, कुरुक्षेत्र, हरियाणा के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन के लिए सात आर.ई.डी.सी. कार्यशालाएँ मल्ला रेड्डी इंजीनियरिंग कॉलेज, तेलंगाना, एम.ई.एस. एफ.जी.एम. महिला कॉलेज, कोझीकोड, केरल, और देवगिरी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, महाराष्ट्र।

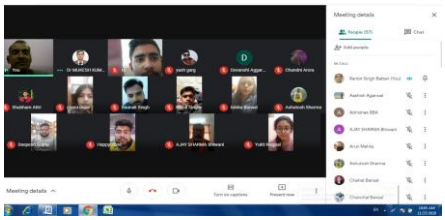

मुसल्लर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, केरल, तिरुप्पुर कुमारन कॉलेज, तमिलनाडु, आदि शंकरा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग, केरल, और गणपति इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, यमुना नागर, हरियाणा के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए चार आर.ई.डी.सी. कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

छह के.एम.ओ. आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कोझीकोड, केरल, सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, तेलंगाना, विमल ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कन्नूर, केरल, बी.वी. राजू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तेलंगाना, तुलसीराम गायकवाड़ पाटिल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, महाराष्ट्र, और श्री साईं बाबा आदर्श महाविद्यालय, छत्तीसगढ़, के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन के लिए आर.ई.डी.सी. कार्यशालाएँ

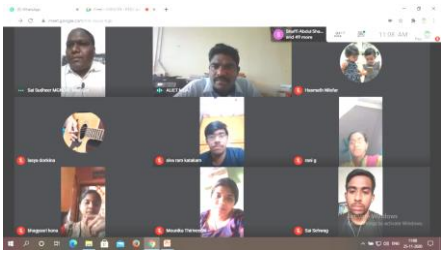

महावीर इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तेलंगाना, सी.ई.टी. स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, त्रिवेंद्रम, केरल, इंदुर, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, तेलंगाना, और काथिर आर्ट्स कॉलेज, तमिलनाडु के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन के लिए चार आर.ई.डी.सी. कार्यशालाएं।

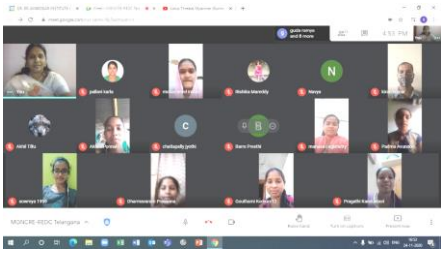

ई.सी.आर. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, उडुपी, कर्नाटक, श्रीदेवी महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, तेलंगाना, जी.एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, महाराष्ट्र और काकतीय इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, तेलंगाना के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन के लिए चार आर.ई.डी.सी. कार्यशालाएं आयोजित की गई।

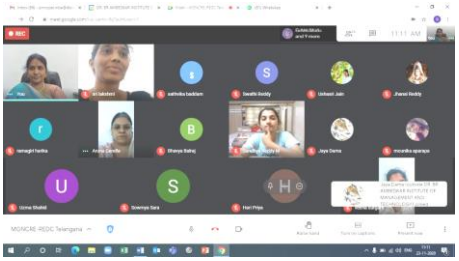

तीन "एक-"दिवसीय संस्था-स्तरीय ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.)" महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा एम.ए.एम.ओ. कॉलेज, मुक्कम, कोझीकोड, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, वटकारा और श्री नारायण गुरु कॉलेज ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, त्रिशूर के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया गया था।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा एम.एस.टी.एम. आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, मलप्पुरम, केरल, संस्कृति कॉलेज, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, तेलंगाना, जी.एच. रायसोनी स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, महाराष्ट्र, नल्ला नरसिम्हा रेड्डी एजुकेशन सोसाइटी के ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, तेलंगाना, धनवटे नेशनल कॉलेज, महाराष्ट्र के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए पांच "एक दिवसीय संस्था-स्तरीय ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.)" कार्यशालाएँ आयोजित की गई।

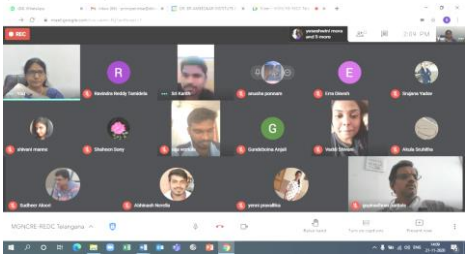

ए.के.डी. धर्मराज महिला कॉलेज, तमिलनाडु, पी.ए. कॉलेज, मैंगलोर, कर्नाटक, श्रीनाथजी इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, राजस्थान, जी.एफ.जी.सी., पुंजालकटे, कर्नाटक, डॉन बॉस्को कॉलेज, वायनाड, केरल के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन के लिए पांच आर.ई.डी.सी. कार्यशालाएँ आयोजित की गई।

डी.पी.जी. इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, गुरुग्राम, हरियाणा, आइडियल आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, पलक्कड़, केरल, और गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, और मैनेजमेंट, झज्जर, हरियाणा के छात्रों और फैकल्टी सदस्यों के लिए तीन आर.ई.डी.सी. कार्यशालाएँ आयोजित की गई।

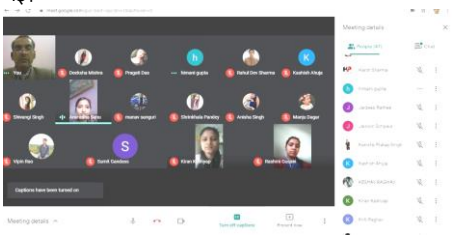

फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़, एम.एल.एस.यू., उदयपुर, राजस्थान, श्री नारायणगुरु कॉलेज, कोयम्बटूर, तमिलनाडु एम.पी. एम.पी. मूथेदात मेमोरियल श्री नारायण ट्रस्ट ट्रस्ट कॉलेज, पलक्कड़, केरल, पी.वी.पी. सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट प्रौद्योगिकी, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, के.आई.आई.टी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सोहना रोड, गुरुग्राम, हरियाणा, श्री कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, केनरा कॉलेज, मैंगलोर, कर्नाटक, अरमिगिगु पलाननदावर कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कल्चर, पलानी, तमिल नाडु तमिलनाडु, और सीएसआई इंस्टीट्यूट ऑफ पीजी स्टडीज, तेलंगाना के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए नौ व्यावसायिक योजना के कार्यान्वयन के लिए आर.ई.डी.सी. कार्यशालाएँ आयोजित की गई,

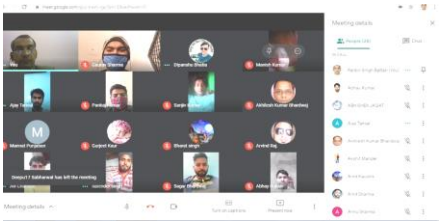

तीन आर.ई.डी.सी. कार्यशालाएं व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन के लिए एस.एफ.आर. आर्ट्स कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु, मल्लारेड्डी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, तेलंगाना और बुद्ध कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, करनाल, हरियाणा के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए आयोजित की गई।

अमल कॉलेज ऑफ एडवांस स्टडीज, मलप्पुरम, केरल, ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, गुरुग्राम, हरियाणा और अपूर्वा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंसेज, तेलंगाना के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन के लिए तीन आर.ई.डी.सी. कार्यशालाएं आयोजित की गई।

असम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, असम के प्रबंधन संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए एक दिवसीय आर.ई.डी.सी. कार्यशाला

घनश्यामदास सारा कॉलेज, महाराष्ट्र, श्री पी.एल. मेमोरियल पी.जी. कॉलेज, बाराबंकी, उत्तर प्रदेश, एस.ई.एस. कॉलेज, श्रीकंदपुरम, कन्नूर, केरल, श्री नारायण गुरु कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कन्नूर, केरल, यरुशलम इंजीनियरिंग कॉलेज, तमिलनाडु, विक्रांत प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर, मध्य प्रदेश, सुगुन कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस कोयम्बटूर, तमिलनाडु, आर.जेड. शाह कॉलेज ऑफ कॉमर्स, महाराष्ट्र, एमजीवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च महाराष्ट्र, विश्वनाथ इंस्टीट्यूशन ऑफ एजुकेशन, सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश और सी.एम.आर. टेक्निकल कैंपस, तेलंगाना के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन के लिए आर.ई.डी.सी. कार्यशाला।

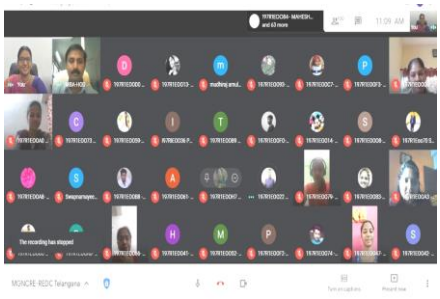

ई.एम.ई.ए. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस कोंडोटी, मलप्पुरम, केरल, एरनड नॉलेज सिटी ऑफ कॉमर्स एंड साइंसेज, मलप्पुरम, केरल, वाणी निकेतन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, तेलंगाना, स्वामी देवी डी.एल.

कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड साइंस, पंचकुला, हरियाणा, श्री अताम नंद जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, अंबाला शहर, हरियाणा, विशिस्टा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर, मध्य प्रदेश, और सेंट अलॉयसियस कॉलेज, मैंगलोर, कर्नाटक के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन के लिए सात आर.ई.डी.सी. कार्यशालाएँ। सात "एक दिवसीय संस्था-स्तरीय ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.)" महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा ठाकुर कॉलेज ऑफ कॉमर्स, महाराष्ट्र, विद्या भवन ग्रामीण संस्थान उदयपुर, राजस्थान, ए.एन.जे.ए.सी. कॉलेज, तमिलनाडु, नानजिंग कैथोलिक कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, तमिलनाडु, सेंटएन्स कॉलेज, तमिलनाडु, प्रेरणा महाविद्यालय, बाराबकी, उत्तर प्रदेश, सेंट एन्स कॉलेज, विराजपेट, कूर्ग, कर्नाटक के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया गया था।

आर.ई.डी.सी. कार्यशाला थी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा केरल में संबद्ध बी.बी.ए. संस्थानों के अगले समूह के लिए आयोजित किया गया। कांजीरामट्टोम एफ.पी.सी. के सी.ई.ओ. श्री टॉम जैकब ने अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने एफ.पी.सी. की कार्यक्षमता और चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने एफ.पी.सी. द्वारा निर्मित और विपणन किए गए विभिन्न उत्पादों के बारे में चर्चा की। बातचीत के दौरान, उन्होंने प्रबंधन छात्रों के लिए उपलब्ध अवसरों को सूचीबद्ध किया।

श्री पी.एल. मेमोरियल पी.जी. कॉलेज, बाराबंकी, उत्तर प्रदेश के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए एक दिवसीय संस्था-स्तरीय आर.ई.डी.सी. व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन कार्यशाला।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा बैकुंठी देवी कन्या महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश और सेंट जॉन्स कॉलेज, उत्तर प्रदेश के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए दो "एक दिवसीय संस्था-स्तरीय ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.)" कार्यशाला का आयोजन 8 नवंबर 2020 को किया गया।

कार्यशाला में छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के 30 प्रबंधन संस्थानों के अड़तालीस (58) संकाय सदस्यों के लिए आर.ई.डी.सी. व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन पर तीन एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़ के लिए संबद्ध बी.बी.ए. कॉलेजों के दूसरे क्लस्टर के लिए आर.ई.डी.सी. कार्यशाला का आयोजन किया गया था। डॉ. अरुणा पलटा, कुलपति ने कार्यशाला का उद्घाटन किया।

कार्यशाला में संबंधित संस्थानों के प्रमुखों और संबंधित आर.ई.डी.सी. के प्रमुखों ने भाग लिया।

दो संस्थागत स्तर एक दिन ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा ए.बी.ई.एस. इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद और पंडित पृथ्वी नाथ (पी.जी.) कॉलेज के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन कार्यशालाएं 1 नवंबर 2020. को योजित की गईं।

तेलंगाना में संबद्ध बी.बी.ए. और एम.बी.ए. संस्थानों के दूसरे क्लस्टर के लिए आर.ई.डी.सी. कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला में संबंधित संस्थानों के प्रमुखों और संबंधित आर.ई.डी.सी. के प्रमुखों ने भाग लिया।

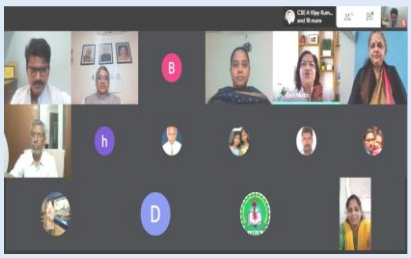

डॉ. ज्ञानमुद्रा, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के प्रोफेसर और चेयरपर्सन, यू.एन.ए. पार्टिसिपेटिंग इंस्टीट्यूट ऑफ रीजनल कोऑर्डिनेटिंग इंस्टीट्यूट, एम.जी.एन.सी.एन.आर.ई., ने उन्नत भारत अभियान में ग्राम विकास योजना पर कार्यशाला के दौरान संबोधित किया।

सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण कार्य सेल कार्य योजना संस्थागत कार्यशालाएं (एस.ई.एस.आर.ई.सी.)
नवंबर 2020

क्र. सं.	राज्य	कार्यशालाएं	प्रतिभागी
1	तेलंगाना	30	928
2	मध्य प्रदेश	8	339
3	पश्चिम बंगाल	4	262
4	केरल	2	46
5	तमिलनाडु	2	91
6	ओडिशा	1	36
7	महाराष्ट्र	1	60
8	झारखंड	1	110
9	छत्तीसगढ़	3	150
10	आंध्र प्रदेश	3	85
	कुल	55	2107

संस्थागत और क्लस्टर कार्यशालाएं - संचयी - नवंबर 2020

संस्थागत कार्यशालाएं	कार्यशालाएं	कार्य योजनाएं	प्रतिभागी
व्यावसायिक शिक्षा	500	24764	28712
सामाजिक उद्यमिता	257	2528	13177
ग्रामीण प्रबंधन	603	7752	26464
कुल	**1360**	**35044**	**68353**
क्लस्टर कार्यशालाएं	**कार्यशालाएं**	**कार्य योजनाएं**	**प्रतिभागी**
व्यावसायिक शिक्षा	266	3354	9593
सामाजिक उद्यमिता	80	2260	2737
ग्रामीण प्रबंधन	269	2671	3988
कुल	**615**	**8285**	**16318**

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
(पूर्व में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद)
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाघ, हैदराबाद, तेलंगाना – 500004
दूरभाष: 040-23212120, 23422105, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in , वेबसाइट: www.mgncre.org
संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू.जी.प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी, संपादक
श्री पी.सरदार सिंह, सदस्य-सचिव, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित